ग्वालियर | शनिवार | 24 अक्टूबर 2026 | वर्ष 32 | अंक 69 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु.5.00
navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

4 दिन में 15 लाख करोड़ रुपए स्वाहा

दीवाली से पहले दलाल स्ट्रीट में हाहाकार, 19 से 23 अक्टूबर के बीच सेंसेक्स 1,606 अंक टूटा

- मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर ज्यादा असर

नवभारत न्यूज

मुंबई, 23 अक्टूबर. दीवाली से ठीक पहले शेयर बाजार में छाई बिकवाली ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है. भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. सोमवार, 19 अक्टूबर से शुक्रवार, 23 अक्टूबर के बीच चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स करीब 1,606 अंक टूट गया. इस दौरान बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में करीब 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी आने का अनुमान है. शुक्रवार को सेंसेक्स 126 अंक गिरकर 73,123.83 पर बंद हुआ, जबकि कारोबार के दौरान यह पिछले बंद स्तर से करीब 762 अंक नीचे तक फिसल गया था. निफ्टी भी 88 अंक गिरकर 22,600 पर बंद हुआ. बाजार की इस कमजोरी का सबसे ज्यादा असर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर दिख रहा है. त्योहारों के दौरान खरीदारी बढ़ने की उम्मीद के बीच बाजार की लगातार गिरावट ने निवेशकों के भरोसे और कंपनियों की कमाई को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं.

वैश्विक तनाव और बिकवाली से दबाव: बाजार में गिरावट के पीछे पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, वैश्विक बाजारों की कमजोरी और कंपनियों के मुनाफे को लेकर बढ़ती चिंता प्रमुख कारण हैं.



कुल करीब 1,606 अंक

बिकवाली ने बढ़ाई मुश्किल

विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी बाजार पर दबाव की बड़ी वजह बनी हुई है. अक्टूबर में 22 तारीख तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से करीब 52,353 करोड़ रुपये निकाल चुके थे. अकेले 22 अक्टूबर को उन्होंने शुद्ध रूप से 3,459 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने करीब 2,891 करोड़ रुपये की खरीदारी की. ऊंची अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, डॉलर की मजबूती, रुपये में कमजोरी और भारतीय शेयरों के अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यांकन के कारण विदेशी निवेशक सतर्क हैं. इसके अलावा, वैश्विक निवेश का रुझान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर से जुड़े शेयरों की ओर बढ़ने से भी भारतीय बाजार से पूंजी निकलने का दबाव बना हुआ है.

प्रभावित होगा त्योहार का बाजार

दीवाली से पहले शेयर बाजार की गिरावट का असर केवल निवेशकों के पोर्टफोलियो तक सीमित नहीं है. त्योहारों के दौरान वाहन, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री बढ़ने की उम्मीद रहती है. ऐसे में शेयर बाजार की कमजोरी, महंगाई और निवेशकों की संपत्ति में कमी उपभोक्ताओं के भरोसे तथा खर्च करने की क्षमता को प्रभावित होने की आशंका बन गई है. हालांकि, बाजार में गिरावट का मतलब यह नहीं है कि त्योहारी बिक्री निश्चित रूप से कमजोर रहेगी. वास्तविक असर उपभोक्ता मांग, कंपनियों की बिक्री और दूसरी तिमाही के नतीजों से स्पष्ट होगा.

बाजार में आगे क्या

विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में बाजार की दिशा कच्चे तेल की कीमतों, पश्चिम एशिया के घटनाक्रम, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों, रुपये की चाल और कंपनियों के नतीजों पर निर्भर करेगी. यदि वैश्विक तनाव कम होता है और विदेशी निवेशकों की बिकवाली थमती है, तो बाजार को राहत मिल सकती है. इसके विपरीत, महंगा तेल और लगातार विदेशी निकासी बाजार में उतार-चढ़ाव बनाए रख सकते हैं. दीवाली से पहले निवेशकों की नजर अब इस बात पर है कि बाजार में स्थिरता लौटती है या बिकवाली का दबाव आगे भी जारी रहता है.

तिब्बत में भूकंप 16 की मौत

नवभारत न्यूज

तिब्बत, 23 अक्टूबर। चीन की तिब्बत में 7.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया. इस आपदा में अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है और 32 अन्य घायल हुए हैं. यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप का केंद्र तिब्बत के नागकू शहर से 183 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में था. नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि यह भूकंप भारतीय समयानुसार 20:03:43 बजे 173 किलोमीटर की गहराई पर आया. इसका केंद्र 32.368 डिग्री उत्तर अक्षांश और 93.853 डिग्री पूर्व देशांतर पर स्थित था. 32 घायलों में से 11 की हालत गंभीर बताई गई है.

सेमीकंडक्टर में 5,800 करोड़ के प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने समिट का किया शुभारंभ, दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनेंगे

नवभारत न्यूज

इंदौर, 23 अक्टूबर. मध्यप्रदेश में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और हाईटेक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट-2026 शुरू हुई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्घाटन करते हुए बताया कि समिट के माध्यम से प्रदेश को करीब 5,800 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं. इनसे 10 हजार से अधिक रोजगार मिलने की संभावना है. समिट में एक हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान और स्वीडन के प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुए. मुख्यमंत्री ने सेमीकंडक्टर तथा फोटोनिक्स एवं क्वांटम टेक्नोलॉजीज के दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की घोषणा की. इनसे चिप डिजाइन, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा. इंदौर-उज्जैन इकोनॉमिक कॉरिडोर में भी हाईटेक उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी.



5 कंपनियों को भूमि आवंटित

9,625 करोड़ की पांच कंपनियों के लिए भूमि आवंटन के आशय पत्र.

4,450 से अधिक परियोजनाओं से प्रस्तावित प्रत्यक्ष रोजगार.

6,415 करोड़ का ग्वालियर के गगा मालनपुर में 50 मेगावाट क्षमता का डेटा सेंटर.

2,000 करोड़ की भोपाल में लिथियम सेल विनिर्माण इकाई.

500 करोड़ रुपये का इंदौर में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर.

7 कंपनियां के इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स में कार्यालयीन स्थान के लिए आशय पत्र; **1,280** से अधिक रोजगार की संभावना.

12 से अधिक कंपनियों से चर्चा

मुख्यमंत्री ने सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और हेल्थ-टेक सहित क्षेत्रों की 12 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधियों से निवेश पर चर्चा की. इनमें सिपंट्रॉनिक्स एआई ने 1,800 करोड़, उना इको सिस्टम्स ने 2,000 करोड़, लालवाला इंडस्ट्रीज ने 1,200 करोड़ और धनुष हेल्थकेयर सिस्टम्स ने 400 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव दिए.

कौशल विकास पर भी जोर

राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम ने पांच संस्थानों के साथ कौशल विकास, अनुसंधान और उद्योग सहयोग के लिए समझौते किए. समिट में 57 प्रदर्शकों ने 70 बूथों के जरिए तकनीकों का प्रदर्शन किया.

चुनाव आयुक्तों की शिकायत पर सरकार ने नहीं की कार्रवाई

- कैबिनेट सचिवालय ने माना- यह संवैधानिक संस्था में दखल होगा

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर. आरटीआई (आरटीआई) से मिली नई जानकारी के अनुसार, चुनाव आयोग में उप चुनाव आयुक्त मनीष गर्ग के कामकाज को लेकर दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशीने कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन को अलग-अलग पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई थी. हालांकि, कैबिनेट सचिवालय ने इन शिकायतों को चुनाव आयोग की ओर से आधिकारिक नहीं माना और इसे संवैधानिक संस्था के आंतरिक कामकाज में दखल मानते हुए इस स्तर पर कोई कार्रवाई करने से इनकार कर दिया. यह सूचना आरटीआई कार्यकर्ता लोकेश के. बत्रा के आवेदन के जवाब में सामने आई है.

प्रस्ताव आया तो होगी सख्त कार्रवाई : स्पीकर

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्पष्ट संकेत दिया कि यदि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ संसद में कोई नया प्रस्ताव लाया जाता है, तो उस पर तय नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने बताया कि जिस प्रकार उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को पद से हटाने की संवैधानिक प्रक्रिया होती है, उसी प्रकार चुनाव आयोग के मामले में भी प्रक्रिया अपनाई जाती है.

जियो प्लेटफॉर्म्स आईपीओ ने बनाया ग्लोबल रिकॉर्ड

1 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिले



मुंबई, 23 अक्टूबर, 2026. देश के सबसे बड़े जियो आईपीओ ने ऐतिहासिक क्लोजिंग के साथ विश्व रिकॉर्ड बना दिया है. जियो प्लेटफॉर्म्स के 30,213 करोड़ के आईपीओ में तीन दिनों के दौरान 1.38 करोड़ से ज्यादा आवेदन आए, जो दुनिया में किसी भी आईपीओ को मिले अब तक के सबसे अधिक आवेदन हैं. शुक्रवार शाम 7 बजे बिडिंग बंद होने तक आईपीओ 22 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब हो चुका था. एंकर और गैर-एंकर निवेशकों की कुल बोलियां करीब 7.40 लाख करोड़ पहुंच गईं. इनमें गैर-एंकर निवेशकों से करीब 4.90 लाख करोड़ और एंकर निवेशकों से करीब 2.50 लाख करोड़ की मांग शामिल है. जियो आईपीओ में रिटेल निवेशकों के बीच भी शेयरों के लिए जबरदस्त होड़ रही. रिटेल कैटेगरी में करीब 8.5 करोड़ शेयर उपलब्ध थे.

70 गुना सब्सक्राइब हुए बड़े संस्थागत निवेशक

बड़े संस्थागत निवेशकों की कैटेगरी 70.55 गुना सब्सक्राइब हुई. गैर-संस्थागत निवेशकों की कैटेगरी 14 गुना, रिलायंस शेयरहोल्डर कोटा 7.60 गुना और कर्मचारी कोटा 2.93 गुना भर गया. अब निवेशकों की नजर शेयरों के अलॉटमेंट पर है. निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक 26 अक्टूबर को अलॉटमेंट तय होगा, 27 अक्टूबर को शेयर डीमैट खातों में क्रेडिट किए जाएंगे और 28 अक्टूबर को जियो प्लेटफॉर्म्स की बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग प्रस्तावित है. आवेदनों की संख्या के मामले में भी जियो आईपीओ ने पिछला रिकॉर्ड बड़े अंतर से तोड़ा है. इससे पहले सबसे ज्यादा आवेदन पाने का रिकॉर्ड वारी एनर्जीस के नाम था.

